ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी।

COVID-19 महामारी के कारण राज्य में लौटे प्रवासियों की आजीविका के मुख्य स्रोत का विश्लेषण एवं सिफारिशें।

अक्टूबर 2020

प्रस्तावना

.

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की समस्या आर्थिक असमानताओं के साथ–साथ कई अन्य चुनौतियां भी प्रकट कर रही है, जिसमें कृषि उत्पादन में गिरावट, गिरती ग्रामीण आय और एक तनाव ग्रस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रमुख है। अतः उत्तराखण्ड सरकार ने राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन का आंकलन करने एवं सुझाव देने हेतु आयोग स्थापित करने का फैसला किया और उत्तराखण्ड में पलायन की समस्या के समाधान, रोकथाम एवं ग्रामीण अंचलो में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने हेतु उत्तराखण्ड सरकार ने ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के गठन को सुनिश्चित किया। इस आयोग के कार्यो में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित विकास के लिए एक दृष्टीकोण विकसित कर पलायन की गंभीरता को कम करना एवं ग्रामीण जनसंख्या के कल्याण और समृद्धि को बढ़ावा देने में सहायता करना, जमीनी स्तरपर बहु–क्षेत्रीय विकास के लिए सरकार को सलाह प्रदान करना जो जिला और राज्य स्तर पर सयुंक्त रूप से हो, राज्य की आबादी के उन वर्गों के लिए जो आर्थिक प्रगति से पर्याप्त रूप से लाभान्वित नहीं है हेतु लघु/मध्यम/दीर्घअवधि की कार्य योजनाओं की सिफारिशें प्रस्तुत करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में केंद्रित पहल की सिफारिशें और निगरानी करना जो ग्रामीण क्षेत्रों के चौमुखी विकास में सहायक हो कर पलायन को रोकने में सक्षम हो प्रमुख है।

माह जुलाई 2020 में आयोग द्वारा COVID-19 महामारी के प्रकोप के दौरान लौटे प्रवासियों के आंकड़े, विश्लेषण एवं उनके पुनर्वास हेतु सिफारिशें एक रिपोर्ट के रूप में उत्तराखण्ड सरकार को प्रस्तुत की गयी थीं। इसके पश्चात् अक्टूबर 2020 में समस्त जनपदों में जिला विकास अधिकारियों के माध्यम से आंकड़े एकत्र किए गए जिसमें महामारी के कारण राज्य के विकास खण्ड़ों में लौटे प्रवासियों की संख्या (सितम्बर 2020 तक), इनमें से सितम्बर 2020 के अंत में पुनः पलायन करने वाले प्रवासियों की संख्या तथा विकास खण्ड़ों में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका के मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में) के आंकड़े एकत्र किए गए हैं। महत्वपूर्ण सिफारिशें भी इस रिपोर्ट में प्रस्तुत की गयी हैं जोकि माह जुलाई 2020 में की गयी सिफारिशों की अनुपूरक हैं।

आयोग अपने अध्यक्ष एवं मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन हेतु अपना आभार प्रकट करता है। इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों के लिए श्री ओम प्रकाश, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड; श्रीमती मनीषा पवार, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन एवं ग्राम्य विकास विभाग के समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों, श्री रोशन लाल, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

अक्टूबर, 2020

डॉ0 शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय I :	उभरता परिदृश्य	1
अध्याय II :	आंकडे एवं विशलेषण	7
अध्याय III :	सिफारिशें	23

अध्याय–1

उभरता परिदृश्य

(फरवरी 2020 से जून 2020 तक)

वर्ष 2020 के माह फरवरी एवं मार्च में जैसे ही देश के विभिन्न भागों में COVID-19 का प्रकोप बढ़ा राज्य के प्रवासी अपने गांवों लौटना शुरू हो गए थे। प्रथम दौर में लगभग 59360 प्रवासी व्यक्ति राज्य में वापस लौटे जिनका जनपदवार विवरण तालिका–1 में दिया गया है।

इस रिपोर्ट के आधार पर उस समय का परिदृश्य निम्नलिखित तालिका में दिया जा रहा है :–

निम्नलिखित तालिका में विभिन्न जनपदों में Reverse Migrants (**मार्च 2020 के अन्त तक**) की संख्या दर्शायी गयी है:–

तालिका – 1

Sl. No.	**Name of district**	**Number of Returnees / Reverse Migrants**
1	Almora	9303
2	Bageshwar	1541
3	Chamoli	3214
4	Champawat	5707
5	Nainital	4771
6	Pauri	12039
7	Pithoragarh	5035
8	Rudraparyag	4247
9	Tehri	8782
10	Uttarkashi	4721
	Total	**59360**

March से जून 2020 तक प्रदेश में अपने मूल निवास लौटे Reverse Migrants के आंकड़े तथा विश्लेषण

जून 2020 तक प्रदेश में अपने मूल निवास लौटे Reverse Migrants के आंकड़े तथा उनका विश्लेषण निम्नलिखित हैः–

1. उत्तराखण्ड के जनपदों में (21 जून 2020 तक) अपने मूल निवास वापस आए प्रवासियों की संख्या 216064 है। इनमें सबसे अधिक जनपद पौड़ी में 60440 तथा उसके पश्चात् जनपद अल्मोड़ा में 43784 है। आंकड़े दर्शाते हैं कि इन्हीं जनपदों से सबसे अधिक पलायन हुआ है। जनपदवार एवं विकासखण्डवार विवरण तालिका–2 एवं 3 में दिया गया है।

तालिका 2

उत्तराखण्ड़ के जनपदों में वापस आये प्रवासियों की जनपदवार संख्या

क्र0स0	जनपद का नाम	जनपद में आये प्रवासियों की संख्या
1	अल्मोड़ा	43784
2	नैनीताल	9650
3	पिथौरागढ़	5451
4	चम्पावत	15097
5	बागेश्वर	1925
6	उद्यमसिंहनगर	21958
7	पौड़ी	60440
8	चमोली	5877
9	देहरादून	2254
10	हरिद्वार	3136
11	उत्तरकाशी	19405
12	टिहरी	19242
13	रूद्रप्रयाग	7656
योग		**215875**

तालिका 3

उत्तराखण्ड़ के जनपदों में विकासखण्डवार वापस आये प्रवासियों की संख्या			
क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**प्रवासियों की संख्या**
1	रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	3718
2		जखोली	3429

3		ऊखीमठ	509
योग		**रूद्रप्रयाग**	**7656**
1	टिहरी	भिलगंना	675
2		थौलधार	2258
3		प्रतापनगर	5749
4		जौनपुर	790
5		देवप्रयाग	2232
6		कीर्तिनगर	3410
7		फकोट	857
8		जाखणीधार	1050
9		चम्बा	1519
10		नगरीय क्षेत्र	702
योग		**टिहरी**	**19242**
1	उत्तरकाशी	पुरोला	796
2		चिन्यालीसौड	5585
3		डुण्ड़ा	5174
4		नौगांव	1420
5		मोरी	446
6		भटवाड़ी	5552
7		अन्य	432
योग		**उत्तरकाशी**	**19405**
1	हरिद्वार	बहादराबाद	974
2		नारसन	559
3		लक्सर	244
4		भगवानपुर	619
5		खानपुर	467
6		रूड़की	273
योग		**हरिद्वार**	**3136**
1	देहरादून	चकराता	162
2		कालसी	50
3		विकासनगर	412

4		डोईवाला	1130
5		रायपुर	415
6		सहसपुर	85
योग		**देहरादून**	**2254**
1	चमोली	नारायणबगड़	446
2		जोशीमठ	101
3		दशोली	551
4		कर्णप्रयाग	749
5		घाट	556
6		पोखरी	807
7		गैंरसैंण	2514
8		थराली	100
9		देवाल	53
योग		**चमोली**	**5877**
1	पौड़ी	दुगड्डा	2236
2		कोट	3395
3		पौड़ी	2930
4		द्वारीखाल	3611
5		एकेश्वर	4272
6		यमकेश्वर	3588
7		पावों	3841
8		पोखड़ा	2573
9		जयहरीखाल	3310
10		रिखणीखाल	4408
11		खिर्सू	1815
12		बीरोंखाल	7759
13		कल्जीखाल	3563
14		नैनीडाण्डा	5523
15		थलीसैंण	7616
योग		**पौड़ी**	**60440**
1	उद्यमसिंहनगर	बाजपुर	2218

2		गदरपुर	2061
3		काशीपुर	4051
4		सितारगंज	889
5		रूद्रपुर	6438
6		खटीमा	4118
7		जसपुर	2183
योग		**उद्यमसिंहनगर**	**21958**
1	बागेश्वर	बागेश्वर	496
2		गरूड़	1399
3		कपकोट	30
योग		**बागेश्वर**	**1925**
1	चम्पावत	पाटी	3868
2		चम्पावत	5438
3		बाराकोट	2357
4		लोहाघाट	3434
योग		**चम्पावत**	**15097**
1	पिथौरागढ़	धारचूला	939
2		मुनस्यारी	154
3		मूनाकोट	1298
4		कनालीछीना	324
5		गंगोलीहाट	275
6		डीडीहाट	727
7		विण	1263
8		बेरीनाग	471
योग		**पिथौरागढ़**	**5451**
1	नैनीताल	भीमताल	1487
2		धारी	512
3		रामगढ़	526
4		कोटाबाग	629
5		हल्द्वानी	874
6		रामनगर	2295

7		बेतालघाट	2443
8		ओखलकाण्ड़ा	884
योग		**नैनीताल**	**9650**
1	अल्मोड़ा	हवालबाग	3429
2		लमगड़ा	1113
3		धौलादेवी	3693
4		भैंसियाछाना	2805
5		ताकुला	2551
6		ताड़ीखेत	3281
7		द्वाराहाट	2069
8		स्याल्दे	4757
9		भिकियासैंण	6293
10		चौखुटिया	6270
11		सल्ट	7523
योग		**अल्मोड़ा**	**43784**

2. आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि मैदानी जनपदों में जैसे हरिद्वार, देहरादून एवं ऊधम सिंह नगर में भी प्रवासी अपने गावों में लौटे हैं। राज्य के सभी विकास खण्ड़ों में प्रवासी लौटे हैं तथा सबसे अधिक जनपद पौड़ी के विकास खण्ड बीरोंखाल (7759), थैलीसैंण (7616) तथा जनपद अल्मोड़ा के विकास खण्ड सल्ट (7523), चौखुटिया (6270) तथा भिकियासैंण (6293) में अधिक संख्या में प्रवासी लौटकर आए हैं।

3. यह भी स्पष्ट है कि वापस आए प्रवासी जिन स्थानों से वापस आए हैं उनको 4 भागों में बांटा जा सकता है :–

(क) जनपद से जनपद में (लगभग 1%)

(ख) उत्तराखण्ड के अन्य जनपदों से (17.63%)

(ग) भारत के अन्य राज्यों से (70.60%)

(घ) विदेशों से (0.16%)

अध्याय–2

आंकडे एवं विश्लेषण

(सितम्बर 2020 तक)

इस अध्याय में आयोग की टीम द्वारा समस्त जनपदों से एकत्रित किए गए आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है। यह आंकड़े समस्त जिला विकास अधिकारी स्तर से एकत्रित किए गए हैं तथा सितम्बर 2020 तक के हैं।

क्र.स.	जनपद का नाम	COVID-19 महामारी के कारण राज्य के विकास खण्ड़ों में लौटे प्रवासियों की संख्या (सितम्बर 2020)	विकास खण्ड़ों में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अंत तक पुनः पलायन करने वाले प्रवासियों की संख्या
1	रूद्रप्रयाग	29497	4459
2	टिहरी	40420	12398
3	उत्तरकाशी	18767	4507
4	हरिद्वार	3952	1779
5	देहरादून	4129	2018
6	चमोली	20909	6900
7	पौड़ी	95079	15101
8	ऊधम सिंह नगर	22220	3538
9	चम्पावत	17830	5693
10	पिथौरागढ़	22792	5869
11	नैनीताल	22439	8673
12	अल्मोड़ा	35344	28861
13	बागेश्वर	24158	5053
योग		**357536**	**104849**

COVID-19 महामारी के कारण राज्य के जनपदों में लौटे प्रवासियों द्वारा पुनः पलायन करने एवं विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों के आजीविका के मुख्य स्रोत के आंकड़े एवं उनका विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

उत्तराखण्ड में कोविड–19 महामारी के कारण राज्य में आने वाले एवं पुनः लौटने वाले प्रवासियों एवं शेष प्रवासियों की वर्तमान आजीविका के मुख्य स्रोत का विवरण

राज्य	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या (सितम्बर 2020)	विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे शेष प्रवासियों की संख्या	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
				कृषि, बागवानी, पषुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
उत्तराखण्ड़	**357536**	**104849**	**252687**	**33%**	**38%**	**12%**	**17%**
	---	**29%**	**71%**				

उत्तराखण्ड़ के जनपदों में विकासखण्डवार वापस आये प्रवासियों की संख्या एवं पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या			
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	3590	908
	जखोली	11524	1453
	ऊखीमठ	14383	2098
योग	**रूद्रप्रयाग**	29497	4459

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
टिहरी	भिलगंना	5600	400
	थौलधार	5186	408

	प्रतापनगर	1550	520
	जौनपुर	3389	610
	देवप्रयाग	7547	2125
	कीर्तिनगर	6754	4728
	फकोट	4194	1519
	जाखणीधार	3642	1627
	चम्बा	2558	461
योग	**टिहरी**	40420	12398

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
उत्तरकाशी	पुरोला	1235	393
	चिन्यालीसौड	5491	1455
	डुण्ड़ा	405	855
	नौगांव	4073	1024
	मोरी	2169	496
	भटवाड़ी	1749	284
योग	**उत्तरकाशी**	15122	4507

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
हरिद्वार	बहादराबाद	1518	683
	नारसन	697	314
	लक्सर	520	234
	भगवानपुर	754	339
	खानपुर	188	85
	रूड़की	275	124
योग	**हरिद्वार**	3952	1779

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
देहरादून	चकराता	169	63
	कालसी	958	9
	विकासनगर	849	449
	डोईवाला	2361	1184
	रायपुर	607	293
	सहसपुर	85	20
योग	**देहरादून**	4129	2018

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
चमोली	नारायणबगड़	2206	997
	जोशीमठ	855	214
	दशोली	2632	832
	कर्णप्रयाग	2738	276
	घाट	2275	670
	पोखरी	1386	845
	गैंरसैंण	4546	1456
	थराली	2921	730
	देवाल	1350	880
योग	**चमोली**	20909	6900

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
पौड़ी	दुगड्डा	3444	301
	कोट	5127	511
	पौड़ी	4853	276
	द्वारीखाल	7107	2165
	एकेश्वर	5360	265
	यमकेश्वर	4250	138
	पाबौ	5571	2512
	पोखड़ा	6007	2225
	जयहरीखाल	4833	354
	रिखणीखाल	6996	674
	खिर्सू	3028	237
	बीरोंखाल	12443	850
	कल्जीखाल	7109	363
	नैनीडाण्डा	9288	1309
	थलीसैंण	9663	2921
योग	**पौड़ी**	95079	15101

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
उद्यमसिंहनगर	बाजपुर	3218	422
	गदरपुर	3062	415
	काशीपुर	3051	508
	सितारगंज	1889	395
	रूद्रपुर	3438	603
	खटीमा	4118	635
	जसपुर	3444	560
योग	**उद्यमसिंहनगर**	22220	3538

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
चम्पावत	पाटी	4407	2360
	चम्पावत	4594	1500
	बाराकोट	3699	435
	लोहाघाट	5130	1398
योग	**चम्पावत**	17830	5693

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
पिथौरागढ़	धारचूला	3135	878
	मुनस्यारी	1924	238
	मूनाकोट	2995	498
	कनालीछीना	1981	250
	गंगोलीहाट	3800	1327
	डीडीहाट	3042	1221
	विण	2648	702
	बेरीनाग	3267	755
योग	**पिथौरागढ़**	22792	5869

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
नैनीताल	भीमताल	1487	892
	धारी	911	620
	रामगढ़	1799	748
	कोटाबाग	2458	562

	हल्द्वानी	5169	3248
	रामनगर	3066	2152
	बेतालघाट	5192	215
	ओखलकाण्ड़ा	2357	236
योग	**नैनीताल**	22439	8673

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
अल्मोड़ा	हवालबाग	4216	2990
	लमगड़ा	2398	2076
	धौलादेवी	2730	2317
	भैंसियाछाना	2091	1489
	ताकुला	2793	2382
	ताड़ीखेत	1467	861
	द्वाराहाट	1904	1363
	स्याल्दे	2105	1512
	भिकियासैंण	5762	5142
	चौखुटिया	2616	2122
	सल्ट	7262	6607
योग	**अल्मोड़ा**	35344	28861

जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कोविड–19 महामारी के कारण विकासखण्ड में लौटे प्रवासियों की संख्या	विकास खण्ड में लौटे प्रवासियों में से माह सितम्बर 2020 अन्त तक पुनः पलायन कर गए प्रवासियों की संख्या
बागेश्वर	बागेश्वर	8232	958
	गरूड	7587	2748
	कपकोट	8339	1347
योग	**बागेष्वर**	24158	5053

आय के मुख्य स्रोत

उत्तराखण्ड के जनपदों में कोविड–19 महामारी के कारण रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)					
क्र0स0	जनपद का नाम	जनपदों में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आय का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
		कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	अल्मोड़ा	8%	20%	39%	33%
2	नैनीताल	59%	23%	14%	4%
3	पिथौरागढ़	57%	24%	7%	12%
4	चम्पावत	40%	31%	8%	22%
5	बागेश्वर	53%	26%	8%	13%
6	उद्यमसिंहनगर	23%	38%	19%	20%
7	पौड़ी	22%	53%	7%	18%
8	चमोली	31%	43%	13%	13%
9	देहरादून	27%	30%	7%	36%
10	हरिद्वार	21%	75%	5%	0%
11	उत्तरकाशी	45%	40%	1%	14%
12	टिहरी	28%	51%	15%	6%
13	रूद्रप्रयाग	20%	41%	12%	27%
योग उत्तराखण्ड		**33%**	**38%**	**12%**	**17%**

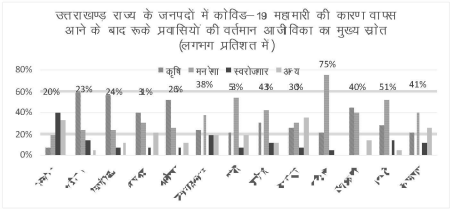

विकासखण्डों में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)						
क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	रूद्रप्रयाग	अगस्तमुनि	15%	36%	30%	19%
2		जखोली	30%	48%	4%	17%
3		ऊखीमठ	15%	38%	3%	44%
योग		रूद्रप्रयाग	20%	41%	12%	27%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	उत्तरकाशी	पुरोला	58%	35%	0%	8%
2		चिन्यालीसौड	42%	44%	1%	13%
3		डुण्ड़ा	50%	35%	4%	12%

4		नौगांव	51%	41%	0%	8%
5		मोरी	47%	52%	0%	1%
6		भटवाड़ी	21%	36%	0%	43%
योग		**उत्तरकाशी**	45%	40%	1%	14%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	टिहरी	भिलगंना	10%	70%	20%	0%
2		थौलधार	29%	51%	20%	0%
3		प्रतापनगर	25%	20%	40%	15%
4		जौनपुर	50%	40%	7%	3%
5		देवप्रयाग	15%	70%	10%	5%
6		कीर्तिनगर	24%	52%	17%	7%
7		फकोट	16%	77%	7%	0%
8		जाखणीधार	40%	35%	5%	20%
9		चम्बा	47%	43%	10%	0%
योग		**टिहरी**	28%	51%	15%	6%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	हरिद्वार	बहादराबाद	22%	72%	6%	0%
2		नारसन	21%	74%	5%	0%
3		लक्सर	21%	76%	3%	0%

4		भगवानपुर	20%	76%	4%	0%
5		खानपुर	18%	79%	3%	0%
6		रूड़की	24%	70%	6%	0%
योग		हरिद्वार	21%	75%	5%	0%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	देहरादून	चकराता	70%	16%	10%	4%
2		कालसी	20%	65%	0%	15%
3		विकासनगर	70%	10%	10%	10%
4		डोईवाला	1%	13%	1%	85%
5		रायपुर	0%	71%	20%	9%
6		सहसपुर	0%	7%	2%	91%
योग		देहरादून	27%	30%	7%	36%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	चमोली	नारायणबगड़	45%	54%	1%	0%
2		जोशीमठ	22%	45%	18%	15%
3		दशोली	40%	41%	9%	10%
4		कर्णप्रयाग	15%	40%	20%	25%
5		घाट	50%	35%	5%	10%

6		पोखरी	35%	55%	10%	0%
7		गैंरसैंण	25%	35%	14%	26%
8		थराली	30%	30%	20%	20%
9		देवाल	18%	55%	17%	10%
योग		**चमोली**	31%	43%	13%	13%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	बागेश्वर	बागेश्वर	63%	29%	3%	5%
2		गरूड़	40%	30%	20%	10%
3		कपकोट	57%	19%	1%	23%
योग		**बागेश्वर**	53%	26%	8%	13%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	पौड़ी	दुगड्डा	12%	70%	3%	15%
2		कोट	25%	60%	5%	10%
3		पौड़ी	20%	65%	5%	10%
4		द्वारीखाल	16%	59%	5%	20%
5		एकेश्वर	22%	43%	15%	20%
6		यमकेश्वर	45%	50%	3%	2%
7		पाबौ	12%	32%	20%	36%

8		पोखड़ा	32%	45%	9%	14%
9		जयहरीखाल	15%	60%	5%	20%
10		रिखणीखाल	20%	60%	5%	15%
11		खिर्सू	18%	67%	8%	7%
12		बीरोंखाल	10%	20%	10%	60%
13		कल्जीखाल	20%	65%	5%	10%
14		नैनीडाण्डा	25%	50%	5%	20%
15		थलीसैंण	33%	52%	7%	8%
योग		**पौड़ी**	22%	53%	7%	18%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	उद्यमसिंहनगर	बाजपुर	25%	35%	20%	20%
2		गदरपुर	25%	35%	20%	20%
3		काशीपुर	15%	40%	25%	20%
4		सितारगंज	25%	40%	15%	20%
5		रूद्रपुर	20%	40%	20%	20%
6		खटीमा	25%	35%	20%	20%
7		जसपुर	25%	40%	15%	20%
योग		**उद्यमसिंहनगर**	23%	38%	19%	20%

क्र.सं	**जनपद का नाम**	**विकासखण्ड का नाम**	**विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)**			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	**मनरेगा**	**स्वरोजगार**	**अन्य**
1	चम्पावत	पाटी	30%	55%	8%	7%
2		चम्पावत	10%	25%	15%	50%

3		बाराकोट	55%	19%	0%	26%
4		लोहाघाट	65%	23%	8%	4%
योग		चम्पावत	40%	31%	8%	22%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	पिथौरागढ़	धारचूला	70%	14%	2%	14%
2		मुनस्यारी	46%	36%	2%	16%
3		मूनाकोट	61%	24%	4%	11%
4		कनालीछीना	49%	33%	10%	8%
5		गंगोलीहाट	70%	15%	5%	10%
6		डीडीहाट	38%	33%	17%	12%
7		विण	65%	17%	5%	13%
8		बेरीनाग	58%	19%	14%	9%
योग		पिथौरागढ़	57%	24%	7%	12%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	नैनीताल	भीमताल	78%	14%	8%	0%
2		धारी	42%	53%	5%	0%
3		रामगढ़	79%	16%	5%	0%
4		कोटाबाग	67%	15%	18%	0%
5		हल्द्वानी	66%	1%	1%	32%
6		रामनगर	38%	35%	27%	0%

7		बेतालघाट	35%	20%	45%	0%
8		ओखलकाण्ड़ा	70%	30%	0%	0%
योग		**नैनीताल**	59%	23%	14%	4%

क्र.सं	जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	विकासखण्ड में रूके शेष लौटे प्रवासियों की वर्तमान आजीविका का मुख्य स्रोत (लगभग प्रतिशत में)			
			कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि	मनरेगा	स्वरोजगार	अन्य
1	अल्मोड़ा	हवालबाग	5%	17%	59%	20%
2		लमगड़ा	13%	18%	34%	35%
3		धौलादेवी	8%	17%	36%	40%
4		भैंसियाछाना	6%	22%	48%	23%
5		ताकुला	11%	26%	33%	30%
6		ताड़ीखेत	6%	12%	34%	49%
7		द्वाराहाट	5%	17%	30%	48%
8		स्याल्दे	8%	22%	48%	23%
9		भिकियासैंण	6%	32%	32%	30%
10		चौखुटिया	13%	16%	29%	42%
11		सल्ट	8%	22%	48%	23%
योग		**अल्मोड़ा**	8%	20%	39%	33%

विश्लेषण–

उक्त तालिकाओं के विश्लेषण से निम्नलिखित निष्कर्ष स्पष्ट हैंः–

1. सितम्बर 2020 के अंत तक कोविड–19 महामारी के कारण राज्य में लौटे प्रवासियों में से लगभग 29% पुनः पलायन कर गए हैं। इनमें से कई लोग राज्य के अन्दर ही अन्य जनपदों में चले गए हैं तथा शेष राज्य के बाहर पुनः पलायन कर गए हैं।

2. राज्य में लौटे प्रवासियों में से लगभग 71% अपने मूल निवास या उसके पास के क्षेत्रों में चले गए हैं। इनमें से लगभग 33% कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि, 38% मनरेगा, 12% स्वरोजगार तथा 17% अन्य पर आजीविका के लिए निर्भर हैं।

3. जनपद अल्मोड़ा में लगभग 39% लौटे प्रवासी स्वरोजगार पर निर्भर हैं जो कि अन्य जनपदों से काफी अधिक है। जनपद नैनीताल, ऊधमसिंह नगर तथा टिहरी में भी अधिक संख्या में लौटे प्रवासी स्वरोजगार पर अपनी निर्भरता दिखा रहे हैं।

4. काफी संख्या में लौटे प्रवासी कृषि, बागवानी, पशुपालन आदि, पर आजीविका के लिए निर्भर हैं। इनमें से सबसे अधिक जनपद नैनीताल (59%), पिथौरागढ़ (57%), बागेश्वर (53%), चम्पावत (40%) तथा उत्तरकाशी (45%) में हैं।

5. मनरेगा पर सबसे अधिक जनपद हरिद्वार (75%), पौड़ी (53%), टिहरी (51%) तथा चमोली (43%) में लौटे प्रवासी आजीविका के लिए निर्भर हैं।

अध्याय–3

सिफारिशें

1. COVID-19 के प्रकोप के बाद राज्य में आये Reverse Migrants के आर्थिक पुनर्वास हेतु विस्तृत सिफारिशें आयोग द्वारा जुलाई 2020 में राज्य सरकार को प्रस्तुत रिपोर्ट में दी गयी हैं। अतः इस अध्याय में इन्हें पुनः दोहराया नहीं जा रहा है।

2. Reverse Migrants के आर्थिक पुनर्वास हेतु राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाऐं संचालित की जा रही हैं। इनमें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं मनरेगा प्रमुख हैं तथा शेष लौटे प्रवासियों को इन योजनाओं से लाभ भी मिल रहा है।

3. यह आवश्यक है कि राज्य एवं जनपद स्तर पर इन Reverse Migrants के आर्थिक पुनर्वास हेतु एक Dedicated Cell बनाया जाए।

4. इन सभी लोगों से व्यक्तिगत स्तर पर सम्पर्क स्थापित करना आवश्यक है, जिससे इनके अनुभवों, रूचि एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। इस जानकारी से एक डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जो कि राज्य एवं जनपद स्तर की इकाईयों में उपलब्ध होगा।

5. इन Reverse Migrants के लिए एक Helpline बनायी जानी चाहिए ताकि इनकी आजीविका, ऋण तथा अन्य समस्याओं को सुलझाया जा सके।

6. इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किए जा रहे आंकड़ों से स्पष्ट है कि लगभग 34% शेष लौटे प्रवासियों ने कृषि, बागवानी तथा पशुपालन आदि में अपना योगदान दिया है। यह आवश्यक है कि कृषि, उद्यान एवं पशुपालन विभाग इन सभी से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क स्थापित करके इनकी सहायता करें ताकि इनको उत्पादन एवं विपणन में लाभ हो।

7. मनरेगा पर भी लगभग 37% शेष लौटे प्रवासी अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं। योजना के अन्तर्गत इनको जिन कार्यों में अधिक रूचि है उनका चिन्हीकरण करने के पश्चात और अधिक सहायता की जानी चाहिए।

8. स्वरोजगार भी लगभग 12% शेष लौटे प्रवासियों की आजीविका का साधन है। इन लोगों से भी सम्पर्क करके व्यक्तिगत रूप से इनकी सहायता की जानी आवश्यक है।

9. शेष Reverse Migrants का कौशल विकास भी एक चुनौती है, क्योंकि आयोग की पिछली रिपोर्ट के अनुसार इनमें से 50% से अधिक लोग Hospitality क्षेत्र से थे जो अब सम्भवतः कृषि, मनरेगा अथवा स्वरोजगार की ओर अपना रूझान स्पष्ट कर चुके हैं। अतः इन नए क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाने की आवश्यकता है।